

बाइक सवार दो युवकों की मौत
सुलतानपुर 31 अक्टूबर (निस)
लखनऊ-बलिया हाईवे पर शनिवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की जान चली गई। कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के पदारथपुर उपाध्याय के पास रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे।

दैनिक

मुख्य सम्पादक – जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994

वर्ष 31

अंक 302 नई दिल्ली

रविवार 1 नवम्बर, 2026

मूल्य एक रुपया

कुल पृष्ठ: 8

फोन 97111 01161

ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

लौह पुरुष पटेल के साहसिक फैसलों से आज मजबूत भारत की छवि-पीएम मोदी

पीएम ने दी लौहपुरुष को श्रद्धांजलि, देश भर में राष्ट्रीय एकता के कार्यक्रम आयोजित किए गए

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह अवसर देश के पहले गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती का था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि सरदार पटेल ने अपना पूरा जीवन एक मजबूत, समृद्ध और सक्षम भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया था। मातृभूमि की सेवा में उनका त्याग और समर्पण विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमेशा एक गहरी प्रेरणा का स्रोत रहेगा। राजधानी नई दिल्ली में भी कई प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई



दिल्ली के सरदार पटेल चौक पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस दौरान उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि उनका असाधारण जीवन और उनकी विरासत राष्ट्रीय एकता की ताकत, अटूट संकल्प और निस्वार्थ सेवा का एक स्थायी प्रमाण है। उनकी

ऐसी महान विभूति थे जिन्होंने न केवल देश का इतिहास बदला, बल्कि अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक कौशल से सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर आधुनिक अखंड भारत का नक्शा तैयार किया। उन्होंने भारत का भौगोलिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक एकीकरण कर देश को एक मजबूत राष्ट्र बनाया। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी और कुशल वकील थे। आजादी के ठीक बाद देश के सामने सैकड़ों रियासतों को एकजुट करने की बड़ी चुनौती थी, जिसे पटेल ने अपनी अद्भुत कूटनीति से सफलतापूर्वक पूरा किया। देश की एकता और अखंडता में उनके इसी अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें लौह पुरुष और अखंड भारत का शिल्पकार कहा जाता है।

इंडिया गठबंधन की दिल्ली रैली आज

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (निस)वोट चोरी एवं सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन की महारैली रविवार को आयोजित होने जा रही है जिसके लिए सभीतैयारियां मुकम्मल कर ली गयी हैं एवं सुरक्षा चाक चौबंद दिख रही है।

पवन खेड़ा का भाजपा पर हमला- भाजपा नेताओं की ओर से रैली के कारण व्यापारियों और आम लोगों को होने वाली संभावित परेशानी का मुद्दा उठाए जाने पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की चांदनी चौक में हुई रैली का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि जब बुधवार को बाजार खुले थे, तब भाजपा की रैली से व्यापारियों को नुकसान नहीं हुआ तो रविवार को बाजार बंद रहने के बावजूद विपक्ष की रैली से नुकसान कैसे होगा?कांग्रेस के राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि रैली में 10 लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को चांदनी चौक में हुई रैली के दौरान बाजार खुले थे, लेकिन तब व्यापारियों के नुकसान की बात नहीं उठी। अब रविवार को बाजार बंद रहने के बावजूद विपक्ष की रैली को लेकर सवाल किए जा रहे हैं।

ईडी गठबंधन ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोला, छह आरोप निर्धारित किए

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में अनियमितताओं और चुनाव आयोग के आंतरिक फैसलों को लेकर उठे विवाद के बीच ईडी गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आज यानी शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक प्रतीकात्मक जन महाभियोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार कर रही हैं। ईडी गठबंधन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर %मॉक संसद% बुलाई



की प्रस्तावित दिल्ली चलो रैली से ठीक एक दिन पहले उठाया गया है, जहां विपक्षी दल सीईसी के इस्तीफे की मांग को पुरजोर तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार बतौर अध्यक्ष ने इस मॉक सत्र की शुरुआत की। मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम को विपक्ष ने 'जन महाभियोग' नाम दिया है। आयोजन के जरिए विपक्ष कथित वोट चोरी और वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्ट्रुक्रो को लेकर अपनी आपत्तियां **शेष पृष्ठ** सात पर

पंजाब विस चुनावों के लिए आप ने 40 उम्मीदवारों की प्रथम सूची जारी की

सीएम मान धूरी से ही चुनाव लड़ेंगे, केजरीवाल आवास पर अहम चर्चा

नई दिल्ली/चंडीगढ़ 31 अक्टूबर (निस) आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान का अहम बयान सामने आया है। दिल्ली में अरविंद



केजरीवाल के साथ पत्रकारों को नीचे दी गई है। संबोधित करते हुए भगवंत मान ने **मोगा-** पंजाब विधानसभा चुनाव कहा कि पहली सूची में 40 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं।मुख्यमंत्री की तरफ से उम्मीदवारों की पहली ने बताया कि वह खुद धूरी सूची जारी किए जाने के बाद मोगा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। जिले की सियासत में भी सुगबुगाहट उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदवारों को शुरू हो गई है। पार्टी ने जिले की जनता का समर्थन मिला है, उन्हें टिकट महत्वपूर्ण विधानसभा सीटों मोगा और दिया गया है। सूची में नाम शामिल निहाल सिंह वाला से अपने मौजूदा होने वाले सभी उम्मीदवारों को उन्होंने विधायकों और अनुभवी चेहरों पर एक बधाई दी। भगवंत मान ने यह भी कहा बार फिर से गहरा भरोसा जताया है। कि इस बार पार्टी ने नए चेहरों को भी राजनीतिक करियर आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने का मौका दिया है। की कार्यकर्ता के रूप में 2 वर्ष काम उम्मीदवारों की पूरी सूची खबर में करने के बाद 2022 में पार्टी ने उन्हें

मोगा से प्रत्याशी बनाया और उन्होंने चुनाव जीता। इसके पहले वह चिकित्सा के पेशे से जुड़ी रही। **मनजीत सिंह बिलासपुर-तीसरी बार बने उम्मीदवार** टिकट मिलने के दो प्रमुख कारण - अपने ही विधानसभा क्षेत्र में

20 वर्ष तक पत्रकारिता करने से इनके लोगों के साथ जीवंत संपर्क है। अपने क्षेत्र के ज्यादातर लोगों को नाम से पहचानते हैं। 20 वर्ष तक विभिन्न अखबारों में पत्रकारिता की। इसके साथ आम आदमी पार्टी में भी सक्रिय रहे। पार्टी ने लगातार दो बार टिकट दिया और दोनों बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे इस बार उन्हें तीसरी बार टिकट मिला है। मोगा जिले में पार्टी का बड़ा चेहरा माने जाते हैं। पार्टी द्वारा अगली सूची के लिए भी विचार विमर्श शुरु कर दिया गया है।

होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराया भारतीयों का जहाज

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री जहाजों के लिए एक खतरनाक क्षेत्र बनता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में यहाँ बारूदी सुरंगों और हमलों के कारण कई जहाज दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं। ताजा घटनाक्रम में, 27 भारतीय क्रू मेंबरों से लैस एक तेल टैंकर एमटी लूज 1 के इंजन रूम में भीषण आग लग गई, जिसके बाद यह टैंकर चलने योग्य नहीं बचा। गनीमत यह रही कि इस गंभीर हादसे में किसी भी भारतीय नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा और सभी 27 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने इस संबंध में जानकारी

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर शक्तिस्थल पर सोनिया, राहुल, प्रियंका ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्ढा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शनिवार सुबह इंदिरा गांधी मेमोरियल में आयोजित स्मरणोत्सव के दौरान सभी नेताओं ने शक्ति स्थल पर पहुंचकर दिवंगत प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्ढा ने भी इंदिरा गांधी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की। उन्होंने अपनी



दादी की तारीफ करते हुए लिखा कि वे एक बेहद सुंदर महिला थीं, जो आसमान की तरह आजाद, समुद्र की तरह गहरी, धरती की तरह सहनशील और आग से भी अधिक तेजस्वी व्यक्तित्व की धनी थीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मौके पर इंदिरा गांधी के एक प्रेरक भाषण का अंश साझा किया।



उस भाषण में इंदिरा गांधी ने कहा था कि जब तक उनके शरीर में सांस है, वे सेवा करती रहेंगी और उनके खून का एक-एक कतरा भारत को जीवित रखने के लिए समर्पित है। खड़गे ने अपने संदेश में इंदिरा गांधी को अदम्य साहस, अटूट संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व की प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (निस) भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष और सीजेपी के बीच नजदीकियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि वह चाहती है कि ये सभी दल एक मंच पर आ जाएं ताकि इनसे एक साथ आसानी से निपटा जा सके। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक कार्यक्रम में कहा कि अब यह पूरी तरह साफ हो गया है कि ये सभी एक ही वैचारिक धड़े के लोग हैं, जो पहले अलग-अलग रहकर भ्रम पैदा कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष पर देश में अव्यवस्था फैलाने का आरोप लगाते



हुए कहा कि उनके पास सरकार के विकास कार्यों के खिलाफ बोलने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। यह बयान शांमिल होंगे, लेकिन दूसरी ओर दिल्ली के व्यापारी संगठनों ने दीपावली के त्योहारी सीजन का हवाला देते हुए रैली को टालने का अनुरोध किया है।

सरदार पटेल की जयंती पर पंचकूला में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन, सीएम भी पहुंचे

चंडीगढ़, 31 अक्टूबर (के.के. संघु)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों से विकसित हरियाणा के साथ-साथ सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी संदेश को आगे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें तथा अफवाहों और भेदभाव को बढ़ावा देने वाली बातों से बचें। उन्होंने कहा कि युवाओं के छोटे-छोटे जिम्मेदार कदम समाज में विश्वास और सद्भाव को बढ़ावा दे सकते हैं।मुख्यमंत्री श्री



नायब सिंह सैनी शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में एचएसवीपी शिवालिंक कंट्री

क्लब, एमडीसी, सेक्टर-1, पंचकूला में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को खाना किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन पर पुष्प वर्षा की और स्वयं भी 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभक्ति के उत्साह और भारत की एकता के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ अयोध्या इत दौड़ का संदेश पूरे देश में जाएगा कि हम सब एक हैं और भारत की एकता एवं अखंडता को संदेव अशुभण रखेंगे श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आजादी के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियां

थीं। देश विभाजन की पीड़ा से गुजर रहा था और सैकड़ों रियासतों को एक राष्ट्र के सूत्र में पिरोने का कठिन दायित्व सामने था। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने अपनी दूरदृष्टि, संवाद कौशल और दृढ़ इच्छाशक्ति से 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने आधुनिक भारत की एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, नीयत साफ हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो, तो असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की **शेष पृष्ठ** सात पर

कार और बाइक की भिड़ंत में चाचा-भतीजे की मौत
हमीरपुर 31 अक्टूबर (निस) यूपी के हमीरपुर जिले में धनौरी गांव स्थित पौधशाला के पास शनिवार दोपहर अटिंगा कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार पांच लोग घायल हो गए।घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

सम्पादकीय

अदानी-अंबानी की प्रतिस्पर्धा में टाटा की बलि चढ़ेगी?

– सत्ता, कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के बीच फंसा टाटा समूह

भारत के औद्योगिक जगत में इन दिनों एक बड़ा सवाल गुंज रहा है। क्या टाटा समूह, जो सौ साल से अधिक पुरानी कारोबारी परंपरा वाला समूह है, पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं? क्या देश के बड़े औद्योगिक घरानों के बीच प्रतिस्पर्धा अब बाजार तक सीमित नहीं रही। इसका असर सत्ता और सरकार की नीतियों तक पहुंच गया है? टाटा संस की लिस्टिंग का विवाद, रिलायंस समूह के अमेरीका के साथ बढ़ते कारोबारी रिश्ते एवं सरकार से नजदीकियां, भारत और दुनिया के देशों में अडानी समूह को लेकर उठते राजनीतिक सवाल को गंभीर बना रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की रिलायंस के जामनगर रिफाइनरी परिसर की यात्रा ने इस चर्चाओं को नया आयाम दिया है। अमेरिका, वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल के प्रसंस्करण में रिलायंस की क्षमता का इस्तेमाल बढ़ाना चाहता है। दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी परिसरों में शामिल जामनगर की तकनीकी क्षमता रिलायंस को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में महत्वपूर्ण स्थान देती है। दूसरी ओर, एलन मस्क ने भारत में स्टारलिनक की शुरुआत में आ रही बाधाओं पर मुकेश अंबानी को व्यंग्यात्मक ढंग से देश का प्रधानमंत्री संबोधित किया। ये घटनाएं बताती हैं, भारतीय उद्योगपतियों का प्रभाव अब अंतर्राष्ट्रीय कारोबार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा की बहस का भी हिस्सा बन गया है। इसी बीच टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग का प्रश्न निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर 2026 में टाटा संस की नियामकीय पंजीकरण से बाहर निकलने की मांग अस्वीकार कर दी। इससे कंपनी के लिए नियामकीय नियमों के अनुरूप लिस्टिंग का रास्ता महत्वपूर्ण हो गया है। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन ट्रस्टों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के अनेक कार्य किए जाते हैं। जिनसे भारत की जनता को कई दशकों से लाभ मिल रहा है। यहां पर एक सवाल महत्वपूर्ण है। क्या लिस्टिंग का अर्थ टाटा समूह पर सरकारी नियंत्रण को बढ़ाना है? ऐसा निष्कर्ष इसलिए निकाला जा रहा है, पिछले एक दशक में नियमों में परिवर्तन करके बड़ी-बड़ी कंपनियों को ठिकाने लगा दिया गया है। भारत सरकार का झुकाव अडानी समूह की ओर है। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पारदर्शिता, जवाबदेही और निवेशकों की निगरानी बढ़ सकती है? इससे अपने-आप मालिकाना नियंत्रण सरकार के हाथ में नहीं जाता है। यहां इसलिए चिंता हो रही कि टाटा समूह का 100 वर्ष से अधिक का इतिहास है। उसकी अपनी एक विश्वसनीयता है। सरकार का हस्तक्षेप औद्योगिक समूह और कंपनियों में बढ़ता जा रहा है। कई कंपनियों में भारी परिवर्तन इसके पहले हो चुके हैं। इसको लेकर टाटा समूह का चिंतित होना स्वाभाविक है। सरकार, सेबी एवं संवैधानिक संस्थाओं पर जिस तरह से सरकार का दबाव देखने को मिलता है। उससे नियामकीय बदलावों और प्रबंधन संबंधी विवादों का असर समूह की स्वतंत्रता, दीर्घकालीन निवेश और कारोबारी परिवारों के प्रबंधन पर स्पष्ट रूप से पड़ रहा है। टाटा समूह ट्रस्ट की ओर से जो परोपकार करता आया है उस पर क्या अंतर आएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टाटा समूह के घटनाक्रम पर सरकार और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया है, टाटा समूह को कमजोर किया जा रहा है, ऐसे समय पर उद्योग जगत मौन क्यों है? ये गंभीर राजनीतिक आरोप हैं। इसका असर भारतीय राजनीति में बड़ी तेजी के साथ होना शुरू हो गया है। जो कारोबारी अभी डर और भय से चुपचाप बैठे थे, वह आगे चलकर मुखर हो सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवालों का उत्तर देना सरकार और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है। टाटा, रिलायंस और अडानी– तीनों भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण औद्योगिक कारोबारी समूह हैं। इनके बीच प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा का आधार सरकारी संरक्षण नहीं, बल्कि निवेश, तकनीक, गुणवत्ता और नवाचार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी को राजनीतिक निकटता से लाभ और किसी दूसरी को निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत को ऐसे उद्योग चाहिए जो रोजगार दें, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ें और सामाजिक दायित्व भी निभाएं। टाटा समूह का भविष्य किसी राजनीतिक दल की जीत या हार का विषय नहीं होना चाहिए। असली कसौटी यह है, कानून सब पर समान रूप से लागू हो। अदानी-अंबानी की प्रतिस्पर्धा में टाटा की बलि चढ़ने की आशंका तभी दूर होगी, जब सरकार पारदर्शिता, निष्पक्ष नियमन और कारोबारी स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट करेगी। पूर्व में एनडीटीवी को लेकर जिस तरह के परिवर्तन हुए थे और एनडीटीवी का मालिकाना हक और प्रबंधन में परिवर्तन हुआ उसको लेकर भारत की कंपनियां चिंतित हैं।

सरदार पटेल: जिनकी दृढ़ता के आगे झुक गयीं सैंकड़ों रियासते

योगेश कुमार गोयल

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्तूबर को देशभर में ‘राष्ट्रीय एकता दिवस’ के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की पेशानियां उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थी। महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन

से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें ‘सरदार’ की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से प्रसिद्ध हो गए।सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश को रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ,



तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थी, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थी जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थी। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संवाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य आसान नहीं था लेकिन पटेल

ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।जूनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जूनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे ‘ऑपरेशन पोलो’ कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया।पटेल का योगदान केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को देश की एकता, स्थिरता और सुचारु

शासन के लिए आवश्यक मानते थे। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखना कठिन होगा। उन्होंने इन सेवाओं को देश की प्रशासनिक रीढ़ बताते हुए इनके संरक्षण और विकास पर जोर दिया। विभाजन के समय देश में सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का गंभीर संकट पैदा हो गया था। लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। ऐसे कठिन समय में पटेल ने राहत और पुनर्वास के कार्यों को प्राथमिकता दी। वे प्रशासन को लगातार सक्रिय रखते थे और शरणार्थियों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते थे। उनका मानना ​​था कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।जवाहरलाल नेहरू के साथ सरदार पटेल के कई मुद्दों पर मतभेद थे लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को व्यक्तिगत विचारों से ऊपर रखा। देश को मजबूत बनाने के लिए नेतृत्व में सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से नवगठित सरकार को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल का जीवन सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण था। वे दिखावे से दूर रहते थे और काम को सबसे अधिक

महत्व देते थे। उनके लिए देशसेवा किसी पद या प्रतिष्ठा का विषय नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। वे कठिन परिस्थितियों में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। उनकी यही विशेषता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है। 15 दिसंबर 1950 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया।वर्ष 1991 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ का लोकार्पण किया गया।यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। आज भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है।लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कामों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।

दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायजा, सरकार सख्त कदम उठाए

– **सौरभ वाण्योय**

स्वास्थ्य किसी भी सभ्य समाज की बुनियादी आवश्यकता है और जीवन बचाने वाली दवाओं तक सुलभ पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकार होना चाहिए। लेकिन जब बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति इलाज के खर्च के सामने बेबस हो जाए, तब स्वास्थ्य व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों में कथित भारी अंतर पर जो गंभीर चिंता जताई है, वह केवल दवा बाजार की अनियमितताओं का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली राशि के बीच असाधारण अंतर है, तो यह जानना आवश्यक है कि उस अंतर में दवा की वास्तविक लागत, अस्पताल का

ग्यारह हजार रुपये बताई गई, जबकि निजी अस्पताल में उसी इंजेक्शन के लिए डेढ़ लाख रुपये वसूले जाने की बात सामने आई। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि होती है, तो यह अंतर निश्चित रूप से जांच और जवाबदेही की मांग करता है। कैसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उसके परिजन पहले ही मानसिक, शारीरिक बेदना सहित आर्थिक संकट से गुजरते हैं। ऐसे समय में इलाज का खर्च उनकी पेशानी को कई गुना बढ़ा देता है। परिवार अपनी बचत खर्च करता है, संपत्ति बेचने को मजबूर होता है और कई बार उधार लेकर उपचार कराता है। यदि किसी दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली राशि के बीच असाधारण अंतर है, तो यह जानना आवश्यक है कि उस अंतर में दवा की वास्तविक लागत, अस्पताल का

भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए। अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप 270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एंजिथ्रोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों,

पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए। अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप 270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एंजिथ्रोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों,

उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए।विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैसर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उसकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इतिहास के वो काले पन्ने जिन्होंने पंजाब



प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्न वरिष्ठ लेखक एवं मीडिया विश्लेषक

गतांक से आगे.....नई, परिवार उजाड़ दिए गए और निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई। जिन लोगों का इंदिरा गांधी की हत्या से कोई संबंध नहीं था, वे केवल अपनी धार्मिक पहचान के कारण हिंसा का शिकार बने।न्यायमूर्ति जी.टी. नानावटी आयोग की रिपोर्ट में 31 अक्टूबर के बाद दिल्ली और अन्य स्थानों पर सिखों तथा उनकी संपत्ति के विरुद्ध हुई हिंसा का विस्तार से उल्लेख है। सरकारी अभिलेखों के अनुसार, 1984 की हिंसा में देशभर में 3,325 लोगों की मृत्यु हुई थी, जिनमें से 2,733 मौतें अकेले दिल्ली में दर्ज की गईं। ये आँकड़े किसी राजनीतिक बहस के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हजारों परिवारों की उजड़ी हुई दुनियाओं की गवाही हैं।आज सवाल यह है कि जब देश की राजधानी में लोगों की जान, संपत्ति और धार्मिक पहचान सुरक्षित नहीं रही, तब लोकतंत्र की संस्थाएँ कहाँ थीं? पुलिस और प्रशासन की

जिम्मेदारी क्या थी? निर्दोष लोगों को बचाने के लिए समय रहते कदम क्यों नहीं उठाए गए? हिंसा के दौर्घ्यों को न्याय के कटघरे तक पहुँचाने में इतना लंबा समय क्यों लगा? ये सवाल आज भी जीवित हैं। इनका उत्तर किसी एक राजनीतिक पक्ष की सफाई अथवा दूसरे पक्ष के आरोपों से नहीं मिल सकता। इसके लिए न्यायिक अभिलेखों, जाँच रिपोर्टें, पीड़ित परिवारों की गवाहियाँ और ऐतिहासिक दस्तावेजों का निष्पक्ष अध्ययन आवश्यक है। यह केवल दंगे नहीं, हजारों परिवारों की उजड़ी हुई जिंदगियाँ थीं जब हम 1984 की बात करते हैं, तो अक्सर आँकड़ों का उल्लेख करते हैं। लेकिन हर आँकड़े के पीछे एक चेहरा था, एक परिवार था, एक माँ थी, एक पत्नी थी और एक बच्चा था। किसी का पिता घर से निकला और कभी वापस नहीं लौटा। किसी माँ ने अपनी आँखों के सामने अपने बेटे को खो दिया। किसी बच्चे ने अपना बचपन राहत शिविरों में बिताया। किसी परिवार ने अपना घर, कारोबार और सामाजिक पहचान एक ही समय में खो दी। आज उन विधवाओं के जीवन के बारे में कौन लिखेगा, जिन्होंने दशकों तक अपने बच्चों का अकेले पालन-पोषण किया? उन बच्चों के मन में पैदा हुए भय को कौन माप सकता है, जिन्होंने अपने पिता की हत्या अपनी आँखों से देखी? उन परिवारों की रातों का हिसाब कौन देगा, जिनके लिए हर 31 अक्टूबर और हर नवंबर



एक नया मानसिक आघात बनकर आता है? न्यायमूर्ति नानावटी आयोग ने अपनी जाँच में हिंसा की प्रकृति, प्रशासनिक विफलताओं और दौर्घ्यों के विरुद्ध कार्रवाई से जुड़े कई गंभीर पहलुओं को दर्ज किया। अनेक मामलों में न्याय की प्रक्रिया दशकों तक चलती रही। इस लंबे इंतजार ने पीड़ितों के मन में यह सवाल और गहरा कर दिया कि क्या न्याय की प्रतीक्षा भी एक सजा बन सकती है? न्याय केवल अदालत के फैसले का नाम नहीं है। न्याय वह विश्वास है, जिसके आधार पर एक नागरिक महसूस करता है कि उसकी जान, उसका घर, उसका धर्म और उसकी पहचान देश के कानून के अंतर्गत सुरक्षित हैं।

धर्म, स्मृति और पीड़ियों की मानसिकता

1947, जून 1984 और नवंबर 1984 की घटनाओं को जोड़ने वाला एक है- अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू मानवीय मानसिकता है। इतिहास केवल राजाओं, सरकारों, युद्धों और राजनीतिक निर्णयों का विवरण नहीं होता। इतिहास वह भी होता है, जो किसी परिवार को खामोशी में बसता है, जो बुजुर्गों की आँखों में उतर आता है और जो अगली पीढ़ी के सवालों में फिर जन्म लेता है।आज जो बच्चे 1984 में पैदा भी नहीं हुए थे, उन्होंने भी अपने घरों में इन घटनाओं की कहानियाँ सुनी हैं। उनके दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता की स्मृतियों ने उनकी ऐतिहासिक समझ को प्रभावित किया है।कई बार एक पीढ़ी का भय अगली पीढ़ी के अविश्वास में बदल जाता है।कई बार अंधूरा न्याय ऐसी पीड़ा बन जाता है, जिसका उत्तर नई पीढ़ी अपने समय की राजनीति में तलाशने लगती है।आज यह समझने की भी आवश्यकता है कि सिख धर्म में ऐतिहासिक स्मृति का विशेष महत्व है।गुरु साहिबान की कृर्बानियाँ, शहादतें, अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष और सरबत के भले का सिद्धांत सिख जीवन-दर्शन के बुनियादी अंग हैं। सिख इतिहास में दुख को याद करना केवल अतीत को दोहराना नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा ग्रहण करना भी है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब में फरमाया गया है-

ना को बैरी नहीं बिगाना सगल सिंगि हम कउ बनि आई॥

अर्थात न कोई हमारा शत्रु है और न कोई परायण। सभी के साथ हमारा

होता। इतिहास वह भी होता है, जो किसी परिवार को खामोशी में बसता है, जो बुजुर्गों की आँखों में उतर आता है और जो अगली पीढ़ी के सवालों में फिर जन्म लेता है।आज जो बच्चे 1984 में पैदा भी नहीं हुए थे, उन्होंने भी अपने घरों में इन घटनाओं की कहानियाँ सुनी हैं। उनके दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता की स्मृतियों ने उनकी ऐतिहासिक समझ को प्रभावित किया है।कई बार एक पीढ़ी का भय अगली पीढ़ी के अविश्वास में बदल जाता है।कई बार अंधूरा न्याय ऐसी पीड़ा बन जाता है, जिसका उत्तर नई पीढ़ी अपने समय की राजनीति में तलाशने लगती है।आज यह समझने की भी आवश्यकता है कि सिख धर्म में ऐतिहासिक स्मृति का विशेष महत्व है।गुरु साहिबान की कृर्बानियाँ, शहादतें, अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष और सरबत के भले का सिद्धांत सिख जीवन-दर्शन के बुनियादी अंग हैं। सिख इतिहास में दुख को याद करना केवल अतीत को दोहराना नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा ग्रहण करना भी है।

आत्मीय संबंध है।आज यह संदेश हमें मानवता की साझी भावना और वैर-विरोध से ऊपर उठने की शिक्षा देता है। इसी प्रकार गुरबाणी का सरबत के भले का दर्शन हमें बताता है कि किसी एक समुदाय की पीड़ा को दूसरे समुदाय की जीत नहीं माना जा सकता। किसी धर्म के लोगों के साथ हुआ अन्याय पूरे समाज के नैतिक ढाँचे को कमजोर करता है। इसलिए आज 1984 की स्मृति को किसी दूसरे धर्म अथवा समुदाय के विरुद्ध नफरत में बदलना उन कुर्बानियों और दुखों की वास्तविक भावना के विपरीत होगा। अपराध व्यक्तिों के होते हैं, जिम्मेदारी संस्थाओं की होती है और सजा कानून के अनुसार मिलनी चाहिए। किसी धर्म को सामूहिक रूप से अपराधी मानने की धारणा मानवता और न्याय, दोनों के विरुद्ध है।

आने वाली पीढ़ियों को हम कैसा इतिहास सौंप रहे हैं?

आज की नई पीढ़ी एक बदलती हुई दुनिया में जी रही है। उसके पास मोबाइल है, इंटरनेट है, वैश्विक संचार के साधन हैं और इतिहास की जानकारी प्राप्त करने के असंख्य माध्यम हैं। लेकिन इसके साथ ही गलत सूचनाओं, अशु्रे तथ्यों, घृणापूर्ण प्रचार और इतिहास की राजनीतिक व्याख्या का खतरा भी बढ़ा है। आज भी सामाजिक माध्यमों पर 1984 की तस्वीरें, वीडियो और कहानियाँ हर वर्ष फिर सामने आती हैं।कई बार ये स्मृतियाँ नई पीढ़ी को इतिहास से

जोड़ती हैं, लेकिन कई बार अधूरी जानकारी और भड़काऊ भाषा नई पीढ़ी में आक्रोश तथा विभाजन की भावना भी पैदा कर सकती है।हमारे विभाजित संस्थानों, विश्वविद्यालयों और इतिहासकारों की जिम्मेदारी है कि 1947 और 1984 जैसी घटनाओं का दस्तावेजी अध्ययन करवाया जाए। पीड़ित परिवारों की मौखिक गवाहियों को सुरक्षित रखा जाए। इतिहास को किसी एक राजनीतिक दल, सरकार अथवा विचारधारा के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि मानवाधिकारों, सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक साक्ष्यों के प्रकाश में पढ़ाया जाए।आज इस बात की भी आवश्यकता है कि पंजाब और दिल्ली के पीड़ित परिवारों की स्मृतियों को सुरक्षित रखने के लिए एक सशक्त राष्ट्रीय दस्तावेजी केंद्र बनाया जाए, जहाँ 1947 के विभाजन, जून 1984 और नवंबर 1984 से संबंधित दस्तावेज, तस्वीरें, गवाहियाँ और न्यायिक अभिलेख सुरक्षित रखे जाएँ।यह केवल सिख समुदाय की आवश्यकता नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की आवश्यकता है।अब समय आ गया है कि स्मृतियाँ नफरत नहीं, न्याय की चेतना बनें।यहाँ सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमने अपने इतिहास से कुछ सीखा है? क्या हम ऐसा समाज बनाने में सफल हुए हैं, जहाँ किसी की धार्मिक पहचान उसकी जान के लिए खतरा न बने? क्या हमने यह सुनिश्चित किया है कि सत्ता में बैठे कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है? क्या पीड़ितों को **शेष पृष्ठ सात पर**



हरियाणा दिवस

हीरक जयन्ती के अवसर पर

हरियाणावासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवम्बर, 2026



हमारा हरियाणा, हमारी शान

हमारी धरती, हमारा मान

“हरियाणा दिवस के अवसर पर राज्य के सभी निवासियों को बहुत-बहुत बधाई। यह ऐतिहासिक धरती हमारे किसान भाई-बहनों के अथक परिश्रम, जवानों के अतुलनीय पराक्रम और युवाओं के अद्भुत प्रदर्शन से देशभर के लिए एक मिसाल रही है। प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहे इस प्रदेश के विशेष अवसर पर मैं हर किसी की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।”

- नरेन्द्र मोदी



वन प्लस ने फेस्टिव सेल में अपने स्मार्टफोन, टेबलेट और ऑडियो प्रोडक्ट्स अब तक के सबसे कम मूल्य में पेश किए

चंडीगढ़ 31 अक्टूबर (मधु राजपूत)वनप्लस ने अपने स्मार्टफोन, टेबलेट और ऑडियो पोर्टफोलियो पर अतिरिक्त ऑफर्स के साथ फेस्टिव सेल को आगे बढ़ा दिया है। इस फेस्टिव कैंपेन के अंतर्गत वनप्लस डिवाइस अब तक के सबसे कम मूल्य पर पेश की गई हैं, जिसके बाद वनप्लस 15आर की कीमत घटकर 59,999 रुपये और वनप्लस एन6एक्स की कीमत 17,499 रुपये हो गई है।ये फेस्टिव ऑफर पहले से चल रहे हैं और वनप्लस.इन , एमेज़ॉन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान अमेज़न.इन, वनप्लस स्टोर ऐप पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

ऑफलाइन इनका लाभ वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर और चुनिंदा पार्टनर आउटलेट्स पर जाकर भी लिया जा सकता है। इसके अलावा, वनप्लस के आईओटी प्रोडक्ट्स मिंत्रा, ब्लिंकिट, फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल के दौरान फ्लिपकार्ट तथा रिलायंस, क्रोमा और विजय सेल्स जैसे ऑफलाइन पार्टनर्स पर उपलब्ध हैं।वनप्लस ने अपने फ्लैगशिप नॉर्ड और एन सीरीज स्मार्टफोन फेस्टिव ऑफर के साथ पेश किए हैं, ताकि ग्राहक आसानी से अपने स्मार्टफोन को अपग्रेड कर सकें। वनप्लस 15 अब 81,999 रुपये में उपलब्ध है, वहीं वनप्लस 15आर अब तक की सबसे कम कीमत के साथ केवल 59,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। कॉम्पैक्ट फ्लैगशिप वनप्लस 13एस 61,999 रुपये में मिल रहा है।नॉर्ड लाइनअप में वनप्लस नॉर्ड 6, नॉर्ड सीई6 और नॉर्ड सीई6 लाइट क्रमशः 42,999 रुपये, 32,999 रुपये और 25,999 रुपये में मिल रहे हैं। चुनिंदा मॉडलों पर नो-कॉस्ट ईएमआई भी उपलब्ध है। एन सीरीज भी आकर्षक फेस्टिव कीमतों के साथ आ रही है। वनप्लस एन6 20,999 रुपये में, वनप्लस एन6एक्स अब तक की सबसे कम कीमत पर 17,499 रुपये में और वनप्लस एन6लाइट 14,249 रुपये में उपलब्ध है। इनके कुछ वेरिएंट्स पर आकर्षक फाईरिंग्स विकल्प भी मिल रहे हैं।

ओप्पो इंडिया ने नई ओप्पो फाइंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की
चंडीगढ़। (मधु राजपूत) ओप्पो इंडिया ने अपनी नई ओप्पो फाईंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें ओप्पो फाईंड एक्स10 और ओप्पो फाईंड एक्स10 प्रो मैक्स शामिल हैं। इसके साथ ही ओप्पो की इनोवेटिव और प्रीमियम फ्लैगशिप फाईंड एक्स सीरीज की 10वीं पीढ़ी की शुरुआत हो गई है। ओप्पो इंडिया की कम्प्युनिकेशंस प्रमुख गोएडी पटनायक ने कहा, प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव का एक नया पैमाना तय करने के लिए तैयार की गई फाईंड एक्स10 सीरीज में शानदार टू-टू-लाइफ़ इमेजिंग, बेमिसाल परफॉर्मेंस, जबरदस्त बैटरी बैकअप और आकर्षक रिफाईंड डिजाइन का मेल है। इसके साथ ही, नया कलरओएस 17 यूजर्स को एक बेहतरीन और स्मूथ सॉफ्टवेयर अनुभव प्रदान करता है। ओप्पो ने अपने फ्लैगशिप कनेक्टेड इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए ओप्पो ए-को एक्स4 और ओप्पो पैड मिनी भी पेश किए हैं, ताकि यूजर्स बिना किसी रुकावट के एक ही फ्लो में तस्वीरें ले सकें, कंटेंट बना सकें और शेयर कर सकें। कुल मिलाकर, यह पूरा फ्लैगशिप पोर्टफोलियो रोजमर्रा के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे हर एक शॉट, एडिट और शेयर बिल्कुल वास्तविक और उस पल के करीब महसूस होता है।

हर 4 में से 1 पैट ओनर जानवर को गोद लेने को तैयार



चंडीगढ़ 31 अक्टूबर (मधु राजपूत) मार्स के वैश्विक सर्वेक्षण से पता चला है कि जानवरों के पिछले जीवन के बारे में सही जानकारी न होना और विशेषज्ञों की सलाह नहीं मिलना, लोगों को पालतू जानवर गोद लेने से रोक सकता है। इससे पता चलता है कि गोद लेने की पूरी प्रक्रिया के दौरान लोगों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देना बहुत जरूरी है।2026 के मार्स ग्लोबल एडॉप्शन वीकेंड से पहले जारी किए गए इस अध्ययन में 2023 के मार्स स्टेट ऑफ पेट होमलेसनेस सर्वे के निष्कर्षों को आगे बढ़ाया गया है। उस सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 6.93 करोड़ पालतू जानवर बेघर हैं। नए सर्वे में उन कारणों को समझने की कोशिश की गई है, जिनकी वजह से लोग जानवरों को गोद लेने से हिचकिचाते हैं। साथ ही, इन समस्याओं को दूर करने के उपाय भी तलाशे गए हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा जानवरों को प्यार करने वाला घर मिल सके और वे जीवनभर अपने परिवार के साथ रह सकें।

भारत में 2,000 लोगों पर किए गए सर्वेक्षण में पालतू जानवरों को गोद लेने की अच्छी संभावना सामने आई है। सर्वेक्षण में पाया गया कि पहले से पालतू जानवर पाल रहे और उन्हें गोद नहीं लेने वाले 25ब लोग भविष्य में किसी जानवर को गोद लेने पर विचार कर सकते हैं, बशर्तें उन्हें सही मार्गदर्शन और सहयोग मिले।जो लोग पालतू जानवरों को गोद लेने के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें कुछ बातों की चिंता रहती है। इनमें जानवरों की पिछली जानकारी न होना प्रमुख है।

1984 का काला अध्याय.....

पृष्ठ दो का शेष
वह न्याय मिला है, जिसकी उन्हें उम्मीद थी?ये सवाल केवल सरकारों से नहीं, बल्कि पूरे समाज को स्वयं से पूछने चाहिए। इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी केवल यह नहीं कि हिंसा हुई। इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि कई बार समाज हिंसा से सबक लेने के बजाय उसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों के लिए करने लगता है। पीड़ितों की स्मृतियों को चुनावों, भाषणों और राजनीतिक दावों का हिस्सा बना देना उनके दर्द का सम्मान नहीं है।हर साल 31 अक्टूबर आती है। इंदिरा गांधी की हत्या की स्मृति भी ताजा होती है और 1984 की हिंसा के पीड़ितों का दर्द भी सामने आता है। इन दोनों सच्चाइयों को एक साथ स्वीकार करना ही इतिहास के साथ न्याय है। इंदिरा गांधी की हत्या एक गंभीर अपराध थी और उसके बाद सिखों को निशाना बनाकर की गई हिंसा भी एक भयानक मानवीय अपराध थी। एक घटना दूसरी घटना को उचित नहीं ठहरा सकती।आज जब भारत स्वयं को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत करता है, तो उसकी नैतिक शक्ति इस बात में निहित है कि वह अपने इतिहास के दुखद अध्यायों को कितनी ईमानदारी से स्वीकार करता है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने, सरकारें बनाने और संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है—हर नागरिक की सुरक्षा, हर धर्म की स्वतंत्रता, हर पीड़ित को न्याय और हर मनुष्य को समान सम्मान।

याद रहे, ये घाव आज भी हरे हैं...31 अक्टूबर की यह स्मृति हमें बताती है कि समय बीतने के साथ इतिहास की तारीखें पुरानी हो सकती हैं, लेकिन मानवीय पीड़ा कभी पुरानी नहीं होती। 1947 के विभाजन के बुजुर्ग आज भी अपने पैतृक गाँवों को याद करते हैं। 1984 के पीड़ित परिवार आज भी अपने बिछुड़े हुए परिजनों की तस्वीरें सँभालकर बैठे हैं। श्री अकाल तख्त साहिब से जुड़ी जून 1984 की स्मृति सिख मनों में आज भी गहरी भावनात्मक महत्ता रखती है।आज ये घाव किसी एक पीढ़ी के नहीं हैं। ये पंजाब के साझा इतिहास को दोहराने से बचा जा सकता है। समझना, इनसे जुड़े सच को सुरक्षित रखना और इनसे भविष्य के लिए शिक्षा लेना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें आने वाली पीढ़ियों को केवल यह नहीं बताना होगा कि 1947 में पंजाब का विभाजन हुआ था, जून 1984 में श्री अकाल तख्त साहिब पर सैन्य कार्रवाई हुई थी और नवंबर 1984 में सिखों का नरसंहार हुआ था। हमें यह भी बताना होगा कि मानवता को कैसे बचाया जाता है, धार्मिक सहिष्णुता कैसे कायम रखी जाती है और राजनीतिक सत्ता को मानवीय जीवन से ऊपर कैसे नहीं होने दिया जाता।आज किसी भी कौम की पहचान केवल उसकी जीत से नहीं बनती, बल्कि उसके दुखों को याद रखने और उनसे सही सबक लेने की क्षमता से भी बनती है। 31 अक्टूबर हमें याद दिलाती है कि इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन इतिहास की गलतियों को दोहराने से बचा जा सकता है। पीड़ितों को न्याय देना, सच को स्वीकार करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए नफरत से मुक्त समाज का निर्माण करना ही उन सभी आत्माओं के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने विभाजन, हिंसा और नफरत के दौर में अपनी जानें नँवाई। क्योंकि कुछ घाव समय के साथ भरते नहीं, वे इतिहास की चेतावनी बन जाते हैं। पंजाब के ये घाव भी ऐसे ही हैं—आज भी हरे हैं और सदियों तक याद रहेंगे। लेकिन इन स्मृतियों से नफरत नहीं, बल्कि न्याय, मानवता और साझी विरासत का एक नया सवेरा जन्म लेना चाहिए।

डिवाइन पब्लिक स्कूल में कौशल, दीवाली मेले का हुआ भव्य आयोजन

शाहाबाद मारकंडा, 31 अक्तूबर

(**रूबी**) : डिवाइन पब्लिक स्कूल शाहाबाद में कौशल व दिवाली मेले का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के सीनियर विंग में आयोजित इस मेले में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाएं रचनात्मकताएं व्यावहारिक कौशल तथा नवाचारपूर्ण सोच का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में पार्षद ईशू कुमारी और पार्षद नवनीत कौर ने शिरकत की। स्कूल प्रबंधक डां गुरदीप सिंह हेयर ने पुष्प-गुच्छ भेंट

कर अतिथियों का स्वागत किया।

इस मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनमें आत्मनिर्भरताएं उद्यमशीलता और नवीन विचारों को विकसित करना था। मेले में कला एवं शिल्प, सामाजिक विज्ञान की परियोजनाओंएं नवाचार से संबंधित गतिविधियों तथा खान-पान और मनोरंजन के लिए विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाए गए। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलताएं, रचनात्मकता और मेहनत से तैयार



की गई परियोजनाओं एवं गतिविधियों का प्रदर्शन किया। विभिन्न स्टॉल और मनोरंजक गतिविधियाँ मेले के मुख्य आकर्षण रहे। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों में सीखने सृजन करने

और नवाचार करने की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय रहा। ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास सामूहिक रूप से कार्य करने की क्षमता तथा भविष्य के लिए आवश्यक जीवन

कौशल विकसित करने में सहायता मिली। विद्यालय की प्रधानाचार्या राजिंदर खुब्बर, उपप्रधानाचार्य मनीष मलिक तथा विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की महत्ता को रेखांकित किया। कौशल मेला एवं दिवाली मेले का यह आयोजन शिक्षा को रचनात्मकताएं व्यावहारिक अनुभव और आनंद से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में मनोरंजन और सकारात्मक अनुभवों की अहम भूमिका : रेणु बाला गुप्ता

डाॅ. मंगल सेन ऑडिटोरियम में औरा इवेंट्स के सर्कस शो का महापौर ने परिवार और बच्चों के साथ लिया आनंद

करनाल, 31 अक्तूबर (संदीप

रोहिला) : महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि बचपन में सकारात्मक दृष्टिकोण और सही समय पर मिलने वाला ज्ञान जीवनभर की अमूल्य पूंजी बन जाता है। बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए मनोरंजन, रचनात्मकता और नए अनुभवों से जुड़ने के अवसर भी जरूरी हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में उत्साह, कल्पनाशीलता और सीखने की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। महापौर रेणु बाला गुप्ता शनिवार को डाॅ. मंगल सेन ऑडिटोरियम में



औरा इवेंट्स की ओर से आयोजित सर्कस शो के विशेष प्रदर्शन के दौरान अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों

और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। सर्कस कलाकारों के शानदार करतब, हैरतअंगेज कलाबाजियां

और आकर्षक प्रस्तुतियां दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कलाकारों की प्रतिभा ने जहां बचपन की यादें ताजा कर दीं, वहीं बच्चों के उत्साह और उनके चेहरों पर खिलती मुस्कान ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि आज की व्यस्त दिनचर्या में परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी बेहद जरूरी है। इस तरह के मनोरंजक आयोजन बच्चों और

सहगल और औरा इवेंट्स की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। **मिल रहा अविस्मरणीय अनुभव** उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय इस सर्कस महोत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और परिवारों के सदस्य पहुंचकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद ले रहे हैं। आयोजन शहरवासियों को मनोरंजन का एक अलग और यादगार अनुभव प्रदान कर रहा है। महापौर ने शहरवासियों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों और परिवार के साथ ऐसे आयोजनों में भाग लेकर खुशियों के इन पलों को साझा करें।

पिछले कई महीने से तिरछा खड़ा है शांति देवी पार्क में बिजली का पोल, हादसे का खतरा

कई बार शिकायत के बावजूद नगर निगम ने नहीं ली सुध, पार्षद ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

करनाल, 31 अक्तूबर (रविन्द्र मलिक) : शहर के वार्ड-13 स्थित ओल्ड रमेश नगर के शांति देवी पार्क में पिछले सात महीनों से बिजली का एक पोल तिरछा खड़ा है। पार्क में सुबह-शाम सैर करने आने वाले लोगों पर हर समय हादसे का खतरा मंडरा रहा है। हैरानी की बात यह है कि कॉलोनीवासी कई बार नगर निगम प्रशासन को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ

है। ओल्ड रमेश नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के प्रधान महिंद्र सलूजा, सुमेरचंद, भूनेश्वर सहगल, योगराज भारद्वाज सहित अन्य कॉलोनीवासियों ने बताया कि शांति देवी पार्क में रोजाना बड़ी संख्या में लोग सैर करने आते हैं। सुबह और शाम के समय पार्क में लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में तिरछा खड़ा बिजली का पोल किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता है।



कॉलोनीवासियों का कहना है कि

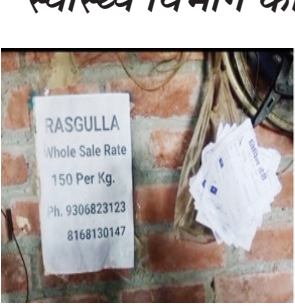
पिछले सात महीनों से पोल इसी हालत में है। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से इसे ठीक करवाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते पोल को सीधा नहीं करवाया गया तो कोई अग्रिय घटना हो सकती है। कॉलोनीवासियों ने नगर निगम

अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द बिजली के पोल को ठीक करवाया जाए, ताकि पार्क में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। वार्ड-13 के पार्षद ईश गुलाटी ने कहा कि शांति देवी पार्क में तिरछे खड़े बिजली के पोल की समस्या उनके संज्ञान में है। जल्द ही पोल को सीधा करवाकर समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

तेजली में अवैध तरीके से चल रही रसगुल्ला फैक्ट्रियां

यमुनानगर, 31 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : तेजली क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही रसगुल्ला बनाने की फैक्ट्रियां इन दिनों सुर्खियों में हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि कई फैक्ट्री संचालकों के पास फूड लाइसेंस तक नहीं है, फिर भी धड़ले से मिठाइयों का निर्माण किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, एक फैक्ट्री में तो उसी जगह पर रसगुल्ले बनाए जा रहे हैं, जहां दूध देने वाले पशु बांधे गए हैं। फैक्ट्री परिसर के अंदर ही गोबर के ढेर लगे हुए हैं, जिन पर मक्खियां-मच्छर भिन्नभिना रहे हैं।



ये मक्खियां-मच्छर गंभीर बीमारियों को जन्म देती हैं और सीधे बनाई जा रही मिठाइयों और रसगुल्लों पर बैठ रही हैं, जिससे लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब 1



किलो दूध की कीमत 80 से 100 रुपये है, तो 150 रुपये किलो के हिसाब से रसगुल्ले कैसे तैयार किए जा रहे हैं? इससे साफ जाहिर है कि इनमें मिलावटी और घटिया किस्म के सामान का इस्तेमाल किया जा

रहा है। वीडियो में भी साफ दिखाई दे रहा है कि सफेद रसगुल्लों को बनाने के लिए गहरे नीले रंग के केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। आखिर इस केमिकल का रसगुल्लों में क्या काम है, यह जांच

का विषय है। हैरानी की बात है कि संबंधित विभाग के अधिकारी इन फैक्ट्रियों की जांच करना जरूरी नहीं समझते। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन फैक्ट्रियों की तुरंत जांच होनी चाहिए और खामियां पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बारे में जब फूड

शास्त्री नगर नरवाना पहुंचा आदित्य सुरजेवाला चलता-फिरता अस्पताल, सैकड़ों लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

नरवाना, 31 अक्तूबर (नरेन्द्र कुमार) : जरूरतमंद लोगों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुरू किया गया आदित्य सुरजेवाला चलता-फिरता अस्पताल शनिवार को नरवाना शहर के वार्ड नंबर-1 स्थित शास्त्री नगर मोहल्ले में पहुंचा। यहां आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में सैकड़ों महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर सहित विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य जांचें कीं और जरूरत के अनुसार उन्हें मौके पर ही नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई। कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर सेवा व समर्पण की भावना से संचालित यह मोबाइल अस्पताल गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत का माध्यम बन रहा है। नरवाना

विधानसभा क्षेत्र में अब तक दो दर्जन से अधिक गांवों और शहर के विभिन्न मोहल्लों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनसे हजारों लोग लाभान्वित हुए हैं। इस अभियान के तहत मोबाइल अस्पताल पहले भी कलौदा कलां, दनौदा खुर्द, खरल, ढाकल, पीपलथा, बेलरखरा, रसीदां, हमीरगढ़ सहित अनेक गांवों तथा चमेला कॉलोनी, नई बस्ती, सैनी मोहल्ला, धर्म सिंह कॉलोनी और शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंच चुका है। शास्त्री नगर में आयोजित शिविर का शुभारंभ प्रसिद्ध समाजसेवी नीरज सिंगला नथू ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर नरवाना के जययाम अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. गरिमाऔर उनकी मेडिकल टीम ने अपनी सेवाएं दीं। सुबह से ही शिविर में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर

मुफ्त चेकअप के साथ जरूरतमंदों को वितरित की गई दवाइयां, वार्डवासियों ने विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल को सराहा



उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया तथा आवश्यक दवाइयां मुफ्त वितरित कीं। मोबाइल अस्पताल के माध्यम से मिल रही सुविधाओं की सराहना करते हुए कश्मीर सिंह, सुनीता देवी, ईश्वर भारद्वाज, सुमन देवी, सुनील कुमार सहित अनेक वार्डवासियों ने विधायक आदित्य सुरजेवाला का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में जांच और दवाइयों पर काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन

इस शिविर में सभी सुविधाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गईं। घर के नजदीक डॉक्टरों की टीम द्वारा जांच और दवाइयां मिलने से बुजुर्गों, महिलाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विशेष राहत मिली है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की यह पहल सराहनीय है। गौरतलब है कि नरवाना क्षेत्र में मोबाइल अस्पताल की संचालन व्यवस्था कांग्रेस के वरिष्ठ

नेता बृजेंद्र सिंह सुरजेवाला की देखरेख में संचालित की जा रही है। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि कैथल के साथ-साथ नरवाना क्षेत्र के लोगों की सेवा करना उनका परम धर्म है। उनका प्रयास है कि हलके के प्रत्येक गांव और शहर के हर वार्ड तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें ताकि गरीब और जरूरतमंद लोगों को इलाज के लिए आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नि:शुल्क चलता-फिरता अस्पताल आगे भी गांवों और शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाता रहेगा। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी सतबीर दबलैन, पार्षद आशुतोष शर्मा, तरसेम सिंगला बिट्टू, डॉ. शमशेर अमरगढ़, ईशंक दीन, राकेश राईका, धौला नेन सहित अनेक कार्यकर्ता एवं वार्डवासी मौजूद रहे।

फिल्म सेट पर महिलाओं के साथ भेदभाव नहीं होता-राधिका आप्टे

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं।

राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल का अनुभव साझा करते हुए किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठ पातीं। अपने अनुभव और प्रसंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों को खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है।



हैं, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता।

वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी

रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधार में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

परिणीति के समर्थन में उत्तरी जेनिफर

वेब सीरीज शक-ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो

रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं। जाफर पनाही को पांच साल की जेल-विश्व प्रसिद्ध ईरानी फिल्म निर्देशक जाफर पनाही की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। तेहसन की एक क्रांतिकारी अदालत ने उनकी अनुपस्थिति में सुनावी करते हुए उन्हें पांच साल और एक महीने की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई है। पनाही को पहले से ही एक अन्य मामले में एक वर्ष की सजा मिली हुई थी। इसके साथ ही अदालत ने उनकी संपत्ति जब्त करने, दो वर्षों तक सोशल मीडिया के इंस्टेमाल पर रोक लगाने और दो साल तक विदेश यात्रा करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का कड़ा आदेश जारी किया है। जाफर पनाही के

कानूनी प्रतिनिधि के अनुसार, हाल ही में जब उनके बैंक खाते अचानक फ्रीज कर दिए गए, तब अभियोजक कार्यालय से संपर्क करने पर इस गुप्त अदालती फैसले की जानकारी सामने आई। पनाही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पुरस्कार विजेता फिल्मों जैसे द सर्कल, टैक्सि और नो बियर्स के लिए जाने जाते हैं। पिछले दो दशकों में उनका ईरानी अधिकारियों के साथ कई बार वैचारिक और कानूनी टकराव हो चुका है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवालों और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए।

मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उदार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए।



शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए।

अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार माएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सात्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अच्छी फिल्में बनाने की अपील की

भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रसंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों को खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है।



हर कोई आज असुरक्षित महसूस कर रहा है-रोहित शेट्टी

बिग बॉस 20 के इस हफ्ते के वीकेंड का वार एपिसोड की मेजबानी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ने संभाली। अभिनेता सलमान खान अपनी व्यस्तताओं के चलते इस बार वीकेंड का वार होस्ट नहीं कर सके थे। रोहित शेट्टी ने इस एपिसोड में घर के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों, जिनमें आसिफ खान, स्काउट ओपी और यंग डीएसए शामिल थे, को वास्तविकता का आईना दिखाया। यंग डीएसए के साथ बातचीत के दौरान, फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ने कुछ महीने पहले उनके घर पर हुई गोलीबारी की घटना का भी जिक्र किया, जिससे घर का माहौल गंभीर हो गया। रोहित शेट्टी ने यंग डीएसए को फीडबैक देते हुए कहा कि स्काउट ओपी और आसिफ खान घर के भीतर किसी गैंगस्टरस जैसा बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने यंग की तारीफ करते हुए कहा, यंग आप गुप में नहीं खेलते हैं, और यह आपके बारे में एक अच्छी चीज है। यह शो आपको बहुत कुछ दे सकता है, इसलिए यंग आप अकेले उड़ान भरना शुरू

कीजिए। आपमें वह क्षमता है। मैंने कई बार नोटिस किया है कि आप लोग किसी गैंगस्टर की तरह यहां-वहां घूमते हैं। लेकिन आप किसी गैंग का हिस्सा नहीं बनते। उन्होंने घर के अंदर खिलाड़ियों के इस तरह के व्यवहार पर चिंता व्यक्त की और उन्हें अपनी हरकतों पर गौर करने की सलाह दी। रोहित शेट्टी ने यंग डीएसए को समझाते हुए गंभीर लहजे में कहा, आप लोग खुद को गैंगस्टर समझते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि आप लोग 10वीं क्लास में पढ़ने वाले कोई स्टूडेंट हों। यहां हमारे घरों पर गोलियां चल रही हैं। आप लोग क्यों घर में गैंगस्टर जैसे घूम रहे हैं? लोगों को लगता है कि अगर हम आपको कुछ बताएं तो हमारी ट्रोलिंग होने लगेगी। लेकिन हमारे साथ असल जिंदगी में क्या हो रहा है, क्या ट्रोलिंग हमें उससे ज्यादा डराएगी? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाहर की दुनिया में वास्तविक खतरे मौजूद हैं, जिनके सामने बिग बॉस घर के अंदर का गैंगस्टर व्यवहार कितना तुच्छ है। इस साल



फरवरी में रोहित शेट्टी के जुहू, मुंबई वाले घर पर 5 राउंड गोलियां चली थीं, जिसकी जांच मुंबई पुलिस ने की थी और इस घटना में 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी। उससे पहले साल 2024 में सलमान खान के बांद्रा वाले घर के बाहर भी फायरिंग हुई थी। हालिया घटना की बात करें तो, 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्राफ पर भी बहुत करीब से गोलियां चलाई गई थीं। यह घटना कैमरे पर भी रिकॉर्ड हुई थी, जिसमें टाइगर श्राफ

बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके ड्राइवर को गोली लग गई थी।

रामायण की एडवांस बुकिंग के तेजी से बढ़ रहे आंकड़े

नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन वाली 4 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली रामायण – राज ऑफ अ लीजेंड फिल्म के लिए दर्शकों में भारी उत्साह बना हुआ है और एडवांस बुकिंग के आंकड़े तेजी से बढ़ते नजर आ रहे हैं। रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म रामायण – राज ऑफ अ लीजेंड की रिलीज में अब सिर्फ 11 दिन बाकी रह गए हैं। फिल्म भले ही सिनेमाघरों में 5 नवंबर को रिलीज होनी है, लेकिन जिस तरह से एडवांस बुकिंग हो रही है, उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि रिलीज डेट आने तक कई सिनेमाघरों में सीटें ही खाली नहीं बचें। इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक रामायण को

दर्शकों से मिल रहा यह शानदार रिसांन्स, इसकी बॉक्स ऑफिस सफलता की कहानी अभी से बयां कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की अभी तक 1 लाख 96 हजार टिकटें बिक चुकी हैं, जो इसकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है। फिल्म के हिंदी वर्जन को लेकर सबसे तगड़ी डिमांड देखने को मिल रही है, वहीं कन्नड़ और तेलुगू वर्जनस भी फिल्म को मोटी कमाई करके दे रहे हैं। फिल्म निर्माता सिर्फ भारतीय बाजार पर ही ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, बल्कि नमित मल्होत्रा इसे मार्वल की तरह एक बहुत व्यापक स्तर पर दुनिया भर में एक अलग यूनिवर्स बनाने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकती है, जो वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाएगी। बात कमाई की करें तो, रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और रवि दुबे जैसे सितारों से सजी फिल्म रामायण ने रविवार को यह खबर लिखे जाने तक 10 करोड़ 90 लाख रुपये का ग्रांस् कलेक्शन कर लिया था।

फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर बनीं साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक मम्मी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रसंगिक

बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई

गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और मम्मी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देगी रामायण

निशेश तिवारी निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म रामायण का फैस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रणबीर कपूर अभिनीत इस भव्य फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने



आया है। बताया जा रहा है कि सिनेमाघरों में ग्रैंड रिलीज के बाद फिल्म रामायण दर्शकों के लिविंग रूम तक पहुंचेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राइम फोकस स्टूडियोज और जियोहॉटस्टार के बीच एक बड़ी साझेदारी हुई है, जिसके तहत रामायण थिएटर के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की

जाएगी। हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म सामान्य सब्सक्रिप्शन प्लान में नहीं मिलेगी, बल्कि इसे देखने के लिए पे-पर-व्यू ऑप्शन के जरिए अलग से पैसे देकर एक्सेस खरीदना पड़ेगा। यानी, दर्शक घर बैठे ही ऑन-डिमांड पैसे चुकाकर इस माहाकाव्य का आनंद ले पाएंगे।

फिल्म रामायण 5 नवंबर 2026 को दिवाली के खास मौके पर दुनिया भर में रिलीज की जाएगी। इसे बहुत बड़े लेवल पर आईमैक्स 3डी में पेश किया जाएगा। यह दो पार्ट्स में बनने वाली लाइव एक्शन फिल्म सीरीज है, जिसकी कहानी श्रीधर राघवन ने वाल्मीकि रामायण से ली है। इस प्रोजेक्ट को प्राइम फोकस स्टूडियोज, आठ बार ऑस्कर जीत

चुकी वीएफएक्स कंपनी डीएनईजी और एक्टर यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने इस पार्टनरशिप पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि रामायण हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा खजाना है और इसने सदियों से हमारी पीढ़ी को गाइड किया है। जियोहॉटस्टार का विजन टेक्नोलॉजी के जरिए भारत की सबसे बेहतरीन कहानियों को हर घर तक पहुंचाना है।

उन्होंने आगे कहा कि इस ग्रैंड विजन वाली फिल्म को देश के हर परिवार और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारे लिए गर्व की बात है। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने डिजिटल रिलीज का कारण बताते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि लोग इस फिल्म को आईमैक्स 3डी के सबसे बड़े पर्दे पर देखें, लेकिन हमारे देश में हर

जगह बड़े सिनेमाघर मौजूद नहीं हैं। मल्होत्रा ने कहा कि रामायण हर भारतीय की फिल्म है और इसकी पहुंच हर घर तक होनी चाहिए। उन्होंने जियोहॉटस्टार को थिएटर के बाद लोगों के लिविंग रूम तक पहुंचाने के लिए एकदम परफेक्ट पार्टनर बताया, क्योंकि जियोहॉटस्टार ने पहले भी स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट के जरिए पूरे देश को जोड़ा है।

साउथ इंडियन एक्सटेंड होना कोई समस्या क्यों है-रश्मिका

अपने साउथ एक्सटेंड और सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। अभिनेत्री ने हाल ही में पति विजय देवरकोंडा के साथ कॉफी विद करण सीजन 9 के एपिसोड में शिरकत करते हुए अपनी पर्सनल लाइफ पर खुलकर बात की। शो के दौरान अभिनेत्री ने ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया। अभिनेत्री को अक्सर उनके साउथ इंडियन

एक्सटेंड को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता रहा है। शो पर रश्मिका ने बताया कि जब से उन्होंने एक्टिंग शुरू की है, तब से उन्हें किसी न किसी बात पर ट्रोल किया जा रहा है। कभी उनकी परफॉर्मेंस पर सवाल उठाए जाते हैं, तो कभी उनकी भाषा और एक्सटेंड को लेकर मजाक बनाया जाता है। लेकिन उन्होंने कभी इन चीजों को अपने करियर के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ एक इंडस्ट्री या एक भाषा तक सीमित नहीं रहना चाहती थीं, बल्कि वह हर जगह काम करना चाहती थीं और सभी भाषाएं बोलना चाहती थीं। एक्स्टेंस ने कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही अलग-अलग तरह की फिल्मों करना शुरू कर दिया था, और एनिमल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म तथा द गर्लफ्रेंड जैसी अलग जॉनर की फिल्मों में काम करने से उन्हें एक कलाकार के तौर पर बहुत संतुष्टि मिलती है।

सहमति से बने संबंध ब्रेकअप के बाद दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता-सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (निस) सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वयस्क युवक-युवती के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को केवल रिश्ता टूटने के बाद दुष्कर्म का मामला नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने शादी का वादा करके संबंध बनाने के आरोप से जुड़े एक मामले में आरोपी व्यक्ति को आरोपमुक्त कर दिया। जस्टिस बीवी नागरला और जस्टिस आर. माहदेवन का पीठ ने कहा कि प्रेम और आपसी सहमति से बने रिश्ते में संबंधों को ब्रेकअप के बाद अपराध का रूप देना उचित नहीं है। किसी व्यक्ति पर केवल रिश्ता खत्म करने के कारण अपराधिक मामला दर्ज करना भी सही नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दुष्कर्म के आरोप की आशंका दिखाकर किसी को जबरन रिश्ते में बने रहने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता हालांकि, पीठ ने यह भी कहा कि यदि शुरुआत से ही शादी का झूठा वादा करके या धोखे से सहमति हासिल की गई हो तो मामला अलग होगा। ऐसे मामलों में यह जांचना जरूरी है कि सहमति वास्तव में धोखे पर आधारित थी या नहीं। अदालत ने यौन हिंसा और जबरदस्ती के मामलों में सख्त कार्रवाई की जरूरत बताई। साथ ही कहा कि महिलाओं को उन परिस्थितियों को भी समझना जरूरी है, जिनमें वे परिवार की प्रतिष्ठा और सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं। पीठ ने दुष्कर्म कानून का इस्तेमाल किसी को परेशान करने या बल्लत लेने के लिए किए जाने से बचाने पर भी जोर दिया।

मनोज तिवारी ने यमुना में लगाई डुबकी - दिल्ली के पूर्व भाजपा अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी का यमुना नदी में तैराकी करने और आचमन करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। अब इस पोस्ट पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देते हुए लिखा, मनोज जी, क्या आपको नहीं लगता कि यमुना का बेहतर पानी है।

**दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा समूह स्त्री सत्संग
सभाओं का विशेष समागम आयोजित**

इस धार्मिक समागम में दिल्ली की विभिन्न स्त्री सत्संग सभाओं की महिलाओं ने बड़ी संख्या में एक ही रंग के सूट पहनकर भाग लिया। समागम के दौरान संगत को संबोधित करते हुए कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि दिल्ली की संगतों सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी मनाने का अवसर प्राप्त हुआ और उम्मीद की जाती है कि अब शहीदी शताब्दी को संगत उसी श्रद्धा भावना के साथ मनाएगी। पूरे वर्ष दिल्ली की संगतों ने गुरु साहिब की महान शहादत को समर्पित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर उनकी अद्वितीय कुर्बानी को याद किया। स. कालका और स. काहलो ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने केवल एक धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश नहीं दिया, बल्कि देश की धार्मिक स्वतंत्रता, संस्कृति, विरासत और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था।

संक्षिप्त समाचार

समाज कल्याण विभाग में कर्मचारियों की किल्लत

ई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं एससी-एसटी विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी के कारण अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण से जुड़ी कई योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी हो रही है। इसका असर छात्रवृत्ति योजनाओं, मौजुदा कल्याणकारी योजनाओं में संशोधन और दो छात्रावासों को पूरी तरह संचालित करने की तैयारी पर भी पड़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, कर्मचारियों की कमी के चलते जिन फाइलों और प्रस्तावों के निपटारे में सामान्य तौर पर एक महीने का समय लगता था, उनमें अब कहीं तीन महीने लग रहे हैं। विभाग ने इस समस्या को लेकर जुलाई में ही सेवा विभाग को पत्र लिखकर रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भर्ने की मांग की थी। पत्र में स्पष्ट किया गया था कि कर्मचारियों की कमी से न केवल कल्याणकारी कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि नेहरू ब्यायज हास्टल और कमला नेहरू गार्ल्स हास्टल को पूरी तरह शुरू करने की तैयारी भी बाधित हो रही है।

दिल्ली के भजनपुरा में अतिक्रमण से यात्री परेशान

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) करोड़ों रुपये खर्च करके बनाया जा रहा दिल्ली का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ने जाम से निजात की उम्मीद को जगाई है, लेकिन अतिक्रमण इस उम्मीद को धुंधला कर रहा है। भजनपुरा में फ्लाईओवर के ठीक आगे मेट्रो स्टेशन और उसके आसपास के बाजार में अतिक्रमण के कारण संकरी सड़क फ्लाईओवर पर खर्च करोड़ों की राशि को बर्बाद कर सकती है। आलम यह है कि निर्माण की बेरिकेडिंग के बावजूद यहां अतिक्रमण नहीं हटया जा रहा, जिससे रोजाना सैकड़ों लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। गाजियाबाद से भीपसा के रास्ते वजीराबाद व दिल्ली के अन्य स्थानों तक रोजाना करीब 4000 लोगों के रास्ते वजीराबाद रोड से सफर करते हैं। पूरी सड़क पर फ्लाईओवर बनाकर इसे सिग्नल फ्री कर दिया गया है, बस भजनपुरा एकमात्र जाम प्वाइंट बना है।

हत्या, लूट और रंगदारी में शामिल भोला गैंग पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने भोला भाई गैंग से जुड़े मकोका के मामले में सुजल उर्फ ढेला (21) को गिरफ्तार किया है। वह भलसवा डेरी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित पर अवैध शराब कारोबारियों, पार्किंग संचालकों और जुआ खेलने वालों से जबरन वसूली करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार थाना जहांगिरपुरी में सात मार्च 2026 को मकोका की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले में गैंग सरगना मुकेश उर्फ भोला को 18 अगस्त और विपिन को 28 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। गिरौह हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, अपहरण, जबरन वसूली और गोलीबारी जैसी गंभीर अपराधिका गतिविधियों में शामिल रहा है। मुकेश के खिलाफ पहले से 17 और विपिन के खिलाफ दो अपराधिक मामले दर्ज हैं।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशनस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजीटी प्रिंटरस प्रालिमि, 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली में शराब बुकिंग पर सियासी संग्राम के बीच एप हुआ बंद

दिल्ली 31 अक्तूबर (निस्) दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग के लिए तैयार किए गए डीएस आइ आइडीसी मोबाइल एप को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। आप ने केंद्र की भाजपा सरकार पर दिल्ली में घर बैठे शराब बुक करने की सुविधा शुरू करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला, जिसके बाद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस एप को विकसित करने का कार्यदेश दो जनवरी, 2025 को खुद आप सरकार के कार्यकाल के दौरान ही जारी किया गया था। इस खुलासे के बाद भाजपा ने आप पर तीखा पलटवार किया है, जबकि बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच प्रशासन द्वारा इस एप को तत्काल प्रभाव से बंद किए जाने की सूचना सामने आई है। अधिकारियों ने उस कार्य आदेश को भी सार्वजनिक किया है। आप नेता मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार दिवाली पर जनता को शराब में डुबोकर घर-घर डिलीवरी करा रही है। दूसरी तरफ, उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा कि यह आदेश पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के कार्यकाल का है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि इस एप को आतिशी सरकार ने 2 जनवरी 2025 को लागू किया था

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए
गाजियाबाद में सख्ती

नई दिल्ली 31 अक्टूबर (निस) एक नवंबर से लागू प्रतिबंधों को लेकर विभाग ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की गई है। टीमों को सीमावर्ती मार्गों पर तैनात कर वाहनों की श्रेणी और दिल्ली में प्रवेश की पात्रता जांचने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए गाजियाबाद में परिवहन विभाग अब सभी पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाने की व्यवस्था करेगा। इसके तहत जिले के 135 से अधिक पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाए जाने हैं। इन कैमरों के ऑपरेशन और रखरखाव की जिम्मेदारी पेट्रोल पंप संचालकों को सौंपी जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य वाहनों की नंबर प्लेट के जरिए उनकी पहचान कर प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों के पालन को प्रभावित बनाना है। जिले में प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सभी पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाए जाने हैं। इसको लेकर अब तक सल्लाही विभाग और प्रदूषण विभाग में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब परिवहन विभाग सभी पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाने का काम करेगा। कैमरे लगने के बाद पंप संचालकों को इन कैमरों के रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैमरे लगने के बाद पंपों पर आने वाले गाड़ियों की नंबर प्लेट को स्कैन कर उनकी पहचान करने में मदद मिलेगी। इससे प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों के अनुपालन की निगरानी को मजबूत किया जा सकेगा।

सी कॉरिडोर अगले साल होंगे गवाद से संगम विहार तक

का एक्स्पेंशन है। जनकपुरी
पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर का
काम लगभग 12 प्रतिशत ही बाकी
है। इसका 87.62 प्रतिशत काम पूरा
हो चुका है, इसलिए उम्मीद है कि
अगले साल के मध्य तक ये कॉरिडोर
पूरा बनकर तैयार हो जाएगा।
गोल्डन लाइन का अभी 79.54
प्रतिशत ही काम हो पाया है। पहले
कोराना और फिर बाद में खानपुर
के पास जमीन अधिग्रहण में देरी
की वजह से इस मेट्रो कॉरिडोर के

बनने में देरी हुई। इस कारण अभी
करीब 20 प्रतिशत काम होना बाकी
है। हालांकि, इस कॉरिडोर पर भी
तुगलकाबाद से संगम विहार तक
कॉरिडोर बनकर काफी हद तक
तैयार है। दरअसल, साल 2019-
20 में फेज चार के तीन प्रमुखता
वाले कॉरिडोर का काम शुरू हुआ
था। इसमें से अब सिर्फ एक
मजलिस-पार्क-मौजपुर कॉरिडोर
का निर्माण ही शत प्रतिशत पूरा हो
सका है।

एसएचओ का हुआ तबादला

म की अनिश्चितकालीन हड़ताल

नौ मांग को लेकर हड़ताल पर थे। वकीलों ने आरोप लगाया था कि एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने अपने साथी पर हमले के मामले में कार्रवाई की मांग कर रहे वकीलों को अपनी रिवाल्वर दिखाई थी। हालांकि अब जब दिल्ली पुलिस ने एसीपी और एसएचओ शाहदरा का ट्रांसफर कर दिया तो वकीलों के संगठन ने कोर्ट के काम से अपनी गैरहाजिरी वापस ली। यह फैसला दिल्ली पुलिस अधिकारियों और बार काउंसिल ऑफ दिल्ली (बीसीडी) के प्रतिनिधियों की एक हार्ड-लेवल मीटिंग के बाद लिया गया। पुराने पुलिस हेडक्वार्टर आईटीओ में एक मीटिंग हुई, जिसमें तीन जॉइंट सीपी, डीसीपी, बीसीडी चेयरमैन नितिन अहलावत, कमटी चेयरमैन नीरज, कोऑर्डिनेटर विजय बिश्रोई, द्वारका डिस्ट्रिक्ट कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अमनीश राणा, शाहदरा बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बीके सिंह और सेक्रेटरी नवीर डबैसे समेत सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल हुए। इसके बाद कमटी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी करके गैरहाजिरी वापस ले ली और कोर्ट का काम फिर से शुरू कर दिया।

हमें आठ नए कावेंट युद्धपोत मिली केबिनेट की मंजूरी

युद्धपोतों का निर्माण करेंगी। इनमें कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) शामिल हैं। दोनों कंपनियों के साथ अगले कुछ दिनों में निर्माण अनुबंध होने की संभावना है। रक्षा सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि पहले युद्धपोत का निर्माण एक साल के भीतर शुरू हो सकता है। अगले चार से पांच वर्षों में युद्धपोतों का आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। पहले पोत को वर्ष 2030 तक नौसेना को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना ऐसे समय

बाइनेस में सैधमारी: 50 हजार करोड़ रुपए की क्रिप्टो चोरी का अनुमान, जांच आरंभ

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (संजय बंसल) दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकॉरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस में बड़ी साइबर सेंधमारी का मामला सामने आया है। क्रिप्टो विशेषज्ञों और एनालिटिक्स फर्मों ने इस घटना में पांच अरब डॉलर से अधिक यानी करीब 50 हजार करोड़ रुपये को क्रिप्टोकॉरेंसी की होने का अनुमान बताया है। हालांकि, कंपनी ने अब तक चोरी हुई क्रिप्टो की आधिकारिक मात्रा का खुलासा नहीं किया है। संभावित नुकसान के मद्देनजर बाइनेंस ने ग्राहकों के लिए डिपॉजिट और विड्रॉल की सुविधा अस्थायी रूप से रोक दी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हैकर्स ने बाइनेंस के सुरक्षा तंत्र में सेंध लगाकर उसके डिजिटल सिस्टम तक पहुंच बनाई और बड़ी मात्रा में क्रिप्टोकॉरेंसी चुरा ली। घटना का पता चलते ही कंपनी ने लेन-देन उसकी भरपाई की जा रही। पर रोक लगा दी, ताकि हैकर आगे धनराशि निकाल न सकें। कंपनी की सुरक्षा टीमों अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एजेंसियों और साइबर विशेषज्ञों के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही हैं। बाइनेंस ने हैकर्स के इस्तेमाल किए गए रास्तों को बंद करने का भी दावा किया है। कंपनी ने ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि उनका धनराशि सुरक्षित है। साथ ही कहा कि जांच में यदि ग्राहकों को किसी तरह के नुकसान की पुष्टि होती है तो उनकी भरपाई की जाएगी।

एनालिटिक्स फर्मों ने बताया बड़ी नुकसान-मीडिया रिपोर्ट के अनुसार क्रिप्टो एनालिटिक्स फर्म ग्लानो ने चोरी का अनुमान 5.3 अरब डॉलर

दिल्ली के लाहौरी गेट में 2.30 करोड़ की लूट

ईदिल्ली 31 अक्टूबर (निस) दिल्ली के लाहौरी गेट में बदमाशों ने दफ्तर में कर्मचारियों को बंधक बनाकर 2.30 करोड़ रुपये लूटे। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से कार में फरार, जांच जारी। देश की राजधानी दिल्ली में दीपावली के त्योहारी सीजन के दौरान, जब बाजारों में करोड़ों रुपये का कारोबार हो रहा है, बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े एक बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया है। पुरानी दिल्ली के अति-व्यस्त लाहौरी गेट इलाके में हथियारों से लैस चार नकाबपोश/बेखौफ बदमाशों ने एक व्यापारी के कार्यालय में धावा बोलकर 2 करोड़ 30 लाख रुपये का डकैती डाल दी। व्यापारी के कर्मचारियों को गनपॉइंट पर बंधक बनाकर वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश नकदी से भरा बैग लेकर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास पहले से खड़ी कार में सवार होकर आसानी से फरार हो गए। पुलिस की कई टीमें अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 10:00 बजे चार हथियारबंद बदमाश लाहौरी गेट थाना क्षेत्र के चर्च मिशन पुलिस चौकी के पास स्थित एक बहुमंजिला इमारत में घुसे। यह दफ्तर विष्णु कांति नामक व्यापारी का है, जहां रोजाना बड़े पैमाने पर नकदी का लेन-देन होता है। संकरी गलियारों में स्थित इस इमारत की तीसरी मंजिल पर पहुंचकर बदमाशों ने वहां मौजूद कर्मचारियों को पिस्टल व हथियारों के बल पर डराया-धमकाया और उन्हें एक जगह बंधक बना दिया। इसके बाद ऑफिस में रखे करीब 2.30 करोड़ रुपये बैग में भरकर आराम से निकल गए। वारदात के बाद अलर्ट हुई पुलिस ने जब इलाके की घेराबंदी की और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो बदमाशों का पूरा एस्केप रूट बेनकाब हुआ।

पंचकूला में रन फॉर यूनिटी आयोजित..

पूरा एक का शेष... जनसेवा, अनुशासन और कार्यनिष्ठा की विरासत को अपने आचरण में उतारने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी भाषाएं, पहनावे और परंपराएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारा संविधान, हमारा रितिंग और हमारी राष्ट्रीय पहचान हमें एक सूत्र में बांधते हैं। प्रत्येक भाषा और संस्कृति का सम्मान करते तथा एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनकर हम राष्ट्रीय एकता को अपने दैनिक जीवन में और मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों से प्रेरित 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाया है। विभिन्न राज्यों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच संवाद एवं आत्मीयता बढ़ाने का यह प्रयास देशवासियों को एक-दूसरे के लिए एकजुट लाता है। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची 'स्टैच्यू यूनिटी' उनके विराट योगदान का स्मारक है। यह हमें याद दिलाती है कि एकजुट राष्ट्र अपने परिश्रम और संकल्प से कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लिए राष्ट्रीय गौरवशाली परंपरा रही है। हमारे जवान सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं, किसान खेतों में परिश्रम करते हैं और खिलाड़ी विश्व के खेल मैदानों में तिरंगे का मान बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल, एक नवंबर को हरियाणा अपने गठन के 60 वर्ष पूरे करेगा। इस अवसर को पूर्ण संस्था पर हम सभी संकल्प लें कि प्रदेश की प्रगति के साथ-साथ देश की एकता को भी और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई। 'न फॉर यूनिटी' में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। यह हमें याद दिलाती है कि एकजुट राष्ट्र अपने परिश्रम और संकल्प से कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। देशभक्ति के गीतों और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच युवाओं एवं बच्चों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संदेश देते हुए दौड़ लगाई।



**CHARDIKLA
TIME TV**
24x7 INFOTAINMENT CHANNEL



SCAN TO DOWNLOAD
OUR APP



SCAN TO WATCH
LIVE

Available FREE! at following Platforms

 CH. NO. 1945	 CH. NO. 340	 CH. NO. 779	 CH. NO. 557
 CH. NO. 1152	 CH. NO. 581		

Available Worldwide on

	 CH. NO. 748-008		
			
			



Also available on Social Media @






/Chardikla Time TV






/CK Time TV North America




/Chardikla Time TV Live



ceo@cktimetv.com



www.timetv.news



www.cktimetv.com



हरियाणा सरकार



हरियाणा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवम्बर, 2026



हीरक जयंती के अवसर पर

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

भारत की माननीय राष्ट्रपति

विशिष्ट अतिथि

प्रो. असीम कुमार घोष

माननीय राज्यपाल, हरियाणा

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

विशेष कार्यक्रम

60 वर्ष

हीरक जयंती समारोह

हरियाणा प्रदेश की स्थापना के
60 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

सभागार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
(प्रातः 10:00 बजे)



स्वामी श्रद्धानंद जयंती कार्यक्रम

प्रदेश की छह दशकों की
विकास यात्रा होगी रेखांकित

गुरुकुल, कुरुक्षेत्र
(प्रातः 11:00 बजे)

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए
क्यूआर कोड स्कैन करें



आप सादर आमंत्रित हैं



सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा


www.prharyana.gov.in | Follow us on


@diprharyana